जरूरतमंद लोगों को उपयोगी वस्तुऐं वितरित करना

(परियोजना रिपोर्ट)

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राज.)
(विज्ञान संकाय, नया परिसर)

मेंटर
डॉ. एस.एल.नामा
(सहायक आचार्य प्राणीशास्त्र)

ग्रुप लीडर
रमेश कुमार
कक्षा–एम.एससी. प्राणीशास्त्र
सेमेस्टर–प्रथम सेमेस्टर

Scanned with CamScanner

TOPIC

DATE

आनंदम के तहत परियोजना रिपोर्ट

1. कॉलेज का नाम :- विज्ञान संकाय, नया परिसर, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान)

2. परियोजना का शीर्षक :- जरूरतमंद लोगों को आवश्यक व उपयोगी वस्तुओं का वितरण करना।

3. मेंटर का नाम :- डॉ. एस. एल. नामा

4. विद्यार्थी / ग्रुप लीडर का नाम :- रमेश कुमार

5. कक्षा :- एम. एससी. प्राणी विज्ञान

6. सेमेस्टर :- प्रथम सेमेस्टर

7. प्रतिभागियों का विवरण :-

क्र.स.	प्रतिभागियों का नाम	मोबाइल नंबर	हस्ताक्षर
1.	रमेश कुमार (लीडर)	8079003560	Ramesh
2.	रिया सैन	8107654672	RiaSain
3.	अदिति देवड़ा	9571199967	@diti
4.	स्वेच्छा अग्रवाल	7023022977	Swechha
5.	स्वाती लोहिया	9929395768	Swati
6.	प्रेक्षा भट्ट	6378685262	Preksha
7.	गरिमा व्यास	7014599906	Gunjas
8.	वीना	6378464080	वीना

Scanned with CamScanner

TOPIC

DATE

★ परियोजना रिपोर्ट को निम्नलिखित प्रमुख बिन्दुओं में प्रस्तुत किया गया है :

1. प्रस्तावना :
2. आभार :
3. अध्याय :
   (i) परियोजना का परिचय
   (ii) परियोजना का उद्देश्य
   (iii) अपनायी जाने वाली प्रक्रिया / पद्धति
   (iv) गतिविधियां और समयावधि
   (v) परियोजना के दौरान सामाजिक संवाद एवं निरिक्षण व अनुभव का वितरण

★ छात्रों के नाम और हस्ताक्षर :-

1.	रमेश कुमार (लीडर)	[illegible]
2.	रिया सैन	Riya Sain
3.	अदिति देवड़ा	Aditi
4.	स्वेच्छा अग्रवाल	Swechha
5.	स्वाती लोहिया	Swati
6.	प्रेक्षा भट्ट	Preksha.
7.	गरिमा व्यास	G.Vyas
8.	वीना	वीना

S-9 Oddy Stationery

Scanned with CamScanner

TOPIC

DATE

★ प्रोजेक्ट रिपोर्ट के मुख्य बिन्दु :-

1. प्रस्तावना
2. आभार
3. अध्याय

1. प्रस्तावना :-

→ प्रदेश के विश्वविद्यालयों में शिक्षा-सत्र में युवाओं में खुशी के साथ सकारात्मक मानवीय व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आनन्दम् पाठ्यक्रम का संचालन किया गया।

→ आज के दौर में जीत व प्रतिस्पर्धा जीवन का पर्याय बन गए है और गला काट प्रतियोगिता की इस दौड़ में युवा चिंता, अवसाद और आत्महत्या की गतिविधियों में फंसते जा रहे हैं। मानव जीवन सहानुभूति और करुणा के लिए सम्मान खो रहे है। सामाजिक सामंजस्य के लिए यह जरूरी है कि युवाओं में खुशी के साथ-२ सकारात्मक मानवीय व्यवहार का समावेश हो, जिससे युवाओं में संतोष, आत्मविश्वास, शांति और संतुष्टि बनी रहे।

→ इसी उद्देश्य से आनन्दम् पाठ्यक्रम लागू किया गया जिसके तहत अनेक परियोजनाओं का समावेश किया गया। इन्ही परियोजनाओं में से एक विषय को आधार बनाकर हमारे समूह द्वारा कार्य किया गया जिसमें सभी ने अपने पास उपलब्ध सामग्री को एकत्रित किया तथा एक बैंक बनाया, जैसे- मास्क, कॉपीयां, पेन-पेन्सिल, पुराने कपड़े, पुस्तकें, खाद्य सामग्री इत्यादि। इनको जरुरतमंद लोगो में वितरित किया गया।

→ SARS-COVID 19 जैसी वैश्विक महामारी ने लोगो की आर्थिक स्थिति पर बहुत असर डाला है। लॉकडाऊन का सबसे अधिक प्रभाव गरीब वर्ग तथा मजदूर वर्ग पर पड़ा है। ये लोग दयनीय आर्थिक स्थिति से गुजर रहे हैं। इसलिए ऐसे वर्ग के लोग जो आर्थिक स्थिति में कमजोर है, की सहायता के उद्देश्य से ही हमारे द्वारा इस परियोजना का चयन किया गया।

Oddy Stationery

Scanned with CamScanner

TOPIC

DATE

→ इसकी प्रेरणा हमे आनन्दम् प्रोजेक्ट के तहत डॉ. एस. एल. नामा सर से मिली।

→ इस हेतू एक समूह निर्मित किया गया जिसमें आठ प्रतिभागी सम्मिलित है। इसे पूरा करने में 5-7 दिन का समय लगा।

2. आभार :-

→ इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में हमारे विश्वविद्यालय के डॉ. एस. एल. नामा सर का अहम योगदान रहा अतः हम सभी प्रत्यक्ष रूप से उनका आभार व्यक्त करते हैं इसी क्रम में मेरे सभी साथीगणों का भी अहम योगदान रहा जिन्होने इसे पूरा करने में भरपूर सहयोग किया।

→ हम हमारे परिजनों का भी आभार व्यक्त करते हैं जिन्होने हमें आॅर्थिक रूप से मजबूत बनाकर अपना योगदान दिया जिसके फलस्वरूप हम अपनी परियोजना को पूरा करने में सफल हो पाये।

3. अध्याय :-

(i) प्रोजेक्ट का परिचय :-

→ आनन्दम् उस व्यापक मानसिक स्थितियों की व्याख्या करता है जिसका अनुभव मनुष्य और अन्य जन्तु सकारात्मक, मनोरंजक और तलाश योग्य मानसिक स्थिति के रूप में करते है इसमें विशिष्ट मानसिक स्थिति जैसे- सुख, मनोरंजन, खुशी, परमानंद और उल्लासोउन्माद भी शामिल है।

→ इस प्रेरणा से प्रेरित होकर राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालयों में आनन्दम् कार्यक्रम को प्रारम्भ करने के दिशा-निर्देश दिये गये।

→ इसका उद्देश्य कॉलेज में विद्यार्थियों को समाज के प्रति योगदान करने और बदले में अकादमिक क्रेडिट अर्जित करना है।

→ पूर्व में वर्णित प्रोजेक्ट जिसके अन्तर्गत जरूरतमंद लोगो को उनकी जरूरत के मुताबिक चीजों का वितरण किया गया।

Oddy Stationery

Scanned with CamScanner

TOPIC

DATE

★ कार्य चिन्हित क्षेत्र :- हमारे द्वारा घर से भोजन बनाकर विभिन्न स्थलों पर भोजन का वितरण किया गया जो कि निम्न प्रकार है।

1. रामलीला मैदान स्थित कच्ची - बस्ती
2. एम्स . के पास स्थित कच्ची - बस्ती
3. अनाथाश्रम व कुड़ी भगतासनी स्थित झुग्गी - झोपड़ी
4. महात्मा गांधी विद्यालय स्थित झुग्गी - झोपड़ी
6. कोढ़ियो का आश्रम
6. मंदे बच्चों का आश्रम
7. मंदबुद्धि बच्चो का आश्रम
8. लोडिया की पाल स्थित चॉक

★ लक्षित लाभार्थी :- भोजन का वितरण बच्चों से लेकर बूढ़ो तक किया गया जिसमें कुष्ठ-रोगी , मंदबुद्धि , अनाथ बच्चे , विकलांग बच्चे शामिल थे। शिक्षा- सामग्री का वितरण अनाथ बच्चों में किया गया।

इस प्रकार कुछ हद तक लोगों की भूख मिटा कर कोरोना - काल की कठिन घड़ी में हमारे समूह ने समाज के प्रति अपनी सहभागिता निभाई।

(ii) प्रोजेक्ट का उद्देश्य :- "मदद करते समय इंसानियत हो धर्म"

→ मौलाना सैफ अब्बास ने कहा था कि जरूरतमंदों की मदद की मुहिम बहुत अच्छी है लेकिन इसमें सभी लोगों की मदद की जाए , चाहे वह किसी भी धर्म या जाति से ताल्लुक रखता हो। लोगो को इस मुश्किल घड़ी में इंसानियत को धर्म बनाकर अपने कर्तव्य को अंजाम देना चाहिए। प्रोजेक्ट के तहत मानव जीवन का उद्देश्य है कि अपने मन, वचन तथा काया से औरो की मदद करना। हमेशा यह देखा गया है कि जो लोग दूसरो की मदद करते है उन्हे कम तनाव रहता है तथा मानसिक शांति और आनन्द का अनुभव होता है।

Oddy Stationery

Scanned with CamScanner

TOPIC

DATE

वे साथ ही साथ अपनी आत्मा से ज्यादा जुड़े रहते हैं। साथ ही साथ जरूरतमंदो को आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाना इस प्रोजेक्ट का प्रमुख उद्देश्य है।

→ हमारे समूह द्वारा गरीबों को गर्म कपड़े उपलब्ध करवाये गये जो कि आने वाले सर्दी के मौसम में उनके लिए आवश्यक सिद्ध होगें।

→ निर्धन परिवारो के बच्चों को पढ़ाई की सामग्री जैसे- कॉपी, पेन, पेन्सिल, किताबें आदि उपलब्ध करवाकर उनकी शिक्षा में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान दिया।

→ गरीबो और आर्थिक रूप से कमजोर लोगो को उनकी भूख कम करने में और आर्थिक रूप से सहायता देने में यह प्रोजेक्ट सार्थक रहा।

→ वही वृद्धाश्रम में वृद्धो को हमारे समूह से मिलकर प्रसन्नता प्राप्त हुई। इस प्रकार हमारा प्रोजेक्ट कुछ हद तक लोगो की सहायता करने में सफल रहा।

(iii) <u>अपनायी जाने वाली प्रक्रिया / पद्धति</u> :-

→ 8 प्रतिभागियों में से 4-4 का समूह बनाया गया तथा परियोजना को सफल बनाया गया।

→ इसके अन्तर्गत 2 प्रतिभागियों ने मास्क का वितरण किया, 2 ने फलो का वितरण किया तथा अन्य 2 ने खाद्य-सामग्री का वितरण किया। शेष बचे 2 ने पाठ्यसामग्री का वितरण किया तथा साथ-2 मास्क का भी वितरण किया गया।

→ इस दौरान निम्न दिशा-निर्देशो की पालना की गई।

Oddy Stationery

Scanned with CamScanner

TOPIC

DATE

(i) वे अपने-अपने काम को बखूबी से करें।
(ii) वहां पर यह सुनिश्चित किया गया कि बिल्कुल भी भीड़-भाड़ न हो और शोर न हो।
(iii) व्यवस्थित रूप से अलग-² कतारें बनवाई गई ताकि चीजों के वितरण में आसानी हो।
(iv) कोरोना काल के कारण एक-दुसरे के बीच उचित दूरी का पालन किया गया। (मास्क के साथ)
(v) यह सुनिश्चित किया गया कि कोई भी व्यक्ति दोबारा किसी वस्तु का लाभ न लें जिससे कि सीमित वस्तुओं का बंटवारा सब जनों में हो सके।
(vi) अन्य सभी प्रकार की कोरोना प्रोटोकॉल का ध्यान रखा गया।

(iv) <u>गतिविधियां और समयावधि</u> :-

→ निम्नांकित गतिविधियां अलग-अलग दिनों तथा समयावधि में की गई।
→ भोजन तथा मास्क का वितरण दिन के समय किया गया।
→ फलों का वितरण सुबह तथा संध्या के समय किया गया।
→ अगले दिन विकलांग आश्रम तथा कोढ़ियों के आश्रम में फलों का वितरण किया गया।
→ अनाथ-आश्रम में पाठ्यसामग्री बांटी गई।
→ मास्क का वितरण हर स्तर पर किया गया।
→ इस प्रकार विभिन्न प्रकार की गतिविधियां अलग-² समयावधि में की गई जिसके कुछ फोटोग्राफ निम्न प्रकार है।

Oddy Stationery

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

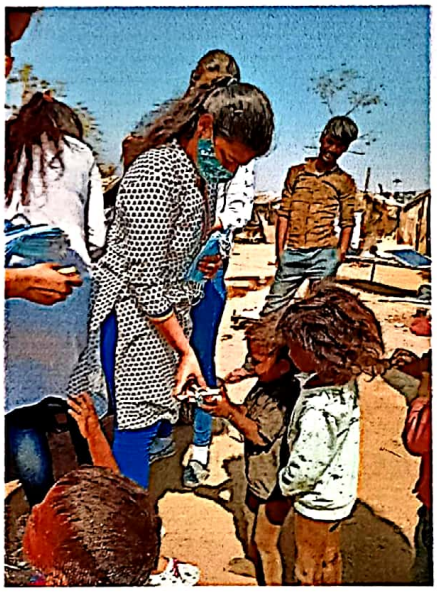
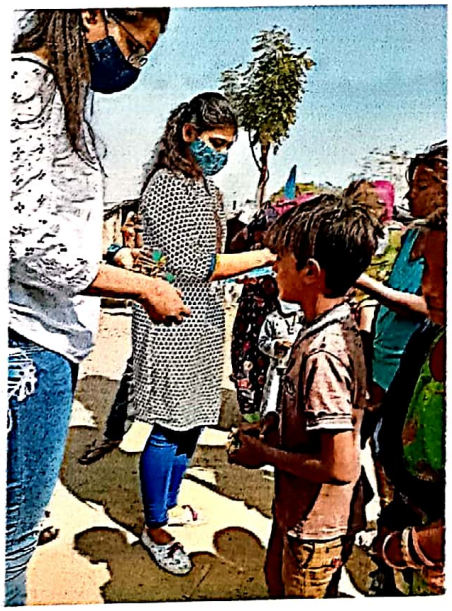

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

TOPIC

DATE

(V) परियोजना के दौरान सामाजिक संवाद एवं निरीक्षण व अनुभव का वितरण :-

→ परियोजना के दौरान विभिन्न प्रकार के लाभार्थियों से हम लोगों का प्रत्यक्ष संवाद हुआ जिसमें हमने उनसे विभिन्न प्रकार की समस्याएं जानी जो कि उन्हे जीवन की रोजमर्रा में आती है।

→ बच्चो से जाना कि उन्हे निर्धन होने के कारण पढ़ाई और अन्य जरूरतें पूरी नहीं हो पाती ऐसे में उनकी मदद करना श्रेष्ठ मानव धर्म है।

→ इस प्रकार इन लोगों की मदद कर उनकी परेशानियां कुछ हद तक कम करने यह परियोजना लाभकारी सिद्ध हुई।

→ जरूरतमंद लोगों की मदद करना ही श्रेष्ठ मानव धर्म है अतः हम लोगो का यह एक श्रेष्ठ अनुभव रहा और ऐसे अनुभव ही मन और आत्मा को संतुष्टि देने वाले होते है अतः हम लोग ऐसे ही कार्य निरन्तर करने का और उनको जीवन में अपनाने का प्रण लेते है।

→ यह मुहिम सोसायटी के लोगो में सकारात्मक भावनाएं और बदलाव लाएगी जिससे कि उनमें मदद की भावना पैदा हो।

Oddy Stationery

Scanned with CamScanner